

---

# Shri Chidambara Panchachamara Stotram

श्रीचिदम्बरपञ्चयामरस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Chidambara Panchachamara Stotram

File name : chidambarapanchachAmarastotram.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan, PSA Easwaran, Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-37

Latest update : March 25, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 24, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Chidambara Panchachamara Stotram

---

## श्रीचिदम्बरपञ्चयामरस्तोत्रम्

---



कदम्बकाननप्रियं चिदम्बया विहारिणं  
मदेभकुम्भगुम्फितस्वडिम्बलालनोत्सुकम् ।  
सदम्बकामभएडनं सदम्बुवाङ्घिनीधरं  
दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ १ ॥

समस्तभक्तपोषणस्वदस्तभङ्गककुण्डं  
प्रशस्तकीर्तिवैभवं निरस्तसज्जनापदम् ।  
करस्थमुक्तिसाधनं शिरःस्थयन्द्रमण्डनं  
दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ २ ॥

जटाकिरीटमण्डितं निटालवोचनान्वितं  
पटीकृताष्टदिकृतं पटीरपङ्कलेपनम् ।  
नटौघपूर्वभाविनं कुठारपाशधारिणं  
दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ ३ ॥

कुरङ्गशावशोभितं चिरं गजाननार्चितं  
पुराङ्गानाविचारदं वराङ्गरागरञ्जितम् ।  
भराङ्गजातनाशकं तुरङ्गमीकृतागमं  
दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ ४ ॥

अमन्दभाग्यभाजनं सुमन्दलाससन्मुष्णं  
सुमन्दमन्दगामिनीगिरीन्द्रकन्यकाधवम् ।  
शमं दमं दयालुताममन्दयन्तमात्मनो  
दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ ५ ॥

करीन्द्रयर्मवाससं गिरीन्द्रयापधारिणं  
सुरेन्द्रमुष्यपूजितं भोगेन्द्रवाहनप्रियम् ।  
अङ्गीन्द्रभूषणोज्ज्वलं नगेन्द्रजाविलासिनं  
दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ ६ ॥

मलापहारिणीतटे सदा विलासकारिणं  
 बलारिशापभञ्जनं ललामरुपलोक्यनम् ।  
 लसद्दृष्टीन्द्रकारिणं ज्वलन्निशूलधारिणं  
 दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ ७ ॥

शशाङ्कमानुवीतिखेत्रराजितत्रिलोक्यनं  
 विशालवक्षसं सुदीर्घबाहुदण्डमण्डितम् ।  
 द्विगम्बरोल्लसद्गुर्धरं धरारथान्वितं  
 दृष्टम्बुजे जगद्गुरुं चिदम्बरं विभावये ॥ ८ ॥

सदन्तरङ्गसज्जनौघपापसङ्घनाशने  
 मदान्ययुक्तदृष्टिनालिशिक्षाणे विद्यक्षाणः ।  
 चिदम्बराभ्यसद्गुरुस्वरुपमेत्य भूतले  
 सदाशिवो विराजते सदा मुदान्वितो हरः ॥ ९ ॥

चिदम्बराभ्यसद्गुरोरिदं सदा विलासिनं  
 मुदा लिभन्ति ये सकृत् सद्योपमानमष्टकम् ।  
 सदा वशोऽसोत्तदालये हरिप्रिया तदानने  
 विधिप्रिया च निश्चला जगद्गुरोरनुग्रहात् ॥ १० ॥

॥ इति श्रीचिदम्बरपञ्चयामरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by Sivakumar Thyagarajan

Proofread by Sivakumar Thyagarajan, PSA Easwaran

---

—  
 Shri Chidambara Panchachamara Stotram

pdf was typeset on July 24, 2021

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

